पंजाब केसरी
SUN,04 OCTOBER 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 4

शीतकालीन स्कूलों में प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने की अंतिम तिथि 6 अक्तूबर

■ शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट से ही पूरी होगी प्रक्रिया

धर्मशाला, 3 अक्तूबर (सुनील): हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवम्बर-दिसम्बर में होने वाली वार्षिक परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने की अंतिम तिथि 6 अक्तूबर है और यह पूरी प्रक्रिया केवल ऑनलाइन माध्यम से होगी।

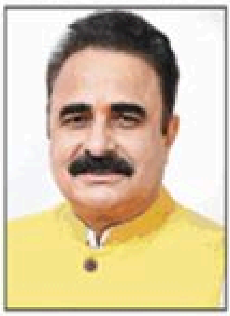

बोर्ड ने साफ कर दिया है कि किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग को स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसलिए सभी संबंधित स्कूलों को समय रहते पोर्टल पर अपनी डिमांड दर्ज करनी होगी।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी दी है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड भेज दें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी स्कूलों के साथ पूरा तालमेल बिठाएं।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल तय समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले ताकि आगामी परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से चल सके।

150 रुपए चुकानी पड़ रही है लेट फीस

समय पर आवेदन न करने वाले स्कूलों को अब भारी भरकम लेट फीस चुकाना पड़ रहा है। बोर्ड के सामान्य शुल्क नियमों के तहत तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए 100 रुपए और आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपए प्रति विद्यार्थी फीस तय है, जिसकी बिना लेट फीस वाली अवधि 16 सितम्बर को ही समाप्त हो चुकी है। वर्तमान में (27 सितम्बर से 6 अक्तूबर तक) डिमांड भेजने वाले स्कूलों को प्रति विद्यार्थी 150 रुपए की अतिरिक्त लेट फीस चुकानी पड़ रही है।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

शीतकालीन स्कूल प्रश्नपत्रों की डिमांड 6 अक्तूबर तक भेज दें

ऑफलाइन आवेदन होंगे रद्द, स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की दो टूक

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर (2026) में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल 6 अक्टूबर तक का समय बचा है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी जिम्मा सौंपा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों के साथ तालमेल बिठाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले ताकि परीक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

डॉ. राजेश शर्मा

इस लिंक से पूरी होगी प्रक्रिया

बोर्ड प्रबंधन ने बताया कि प्रश्नपत्रों की ऑनलाइन मांग भेजने के लिए स्कूलों को शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर जाना होगा। वेबसाइट पर दिए गए 'ऑनलाइन सर्विसेज' विकल्प के भीतर 'ऑनलाइन क्वेश्चन पेपर डिमांड फॉर 3rd, 5th एंड 8th क्लास' लिंक पर क्लिक करके स्कूल अपनी मांग दर्ज कर सकते हैं। बोर्ड ने दोहराया है कि 6 अक्टूबर के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अब 150 रुपये लेट फीस का करना होगा भुगतान

स्कूलों को अब प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए भारी भरकम लेट फीस चुकानी पड़ रही है। बोर्ड द्वारा तय किए गए सामान्य शुल्क के अनुसार, तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए 100 रुपये और आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपये प्रति विद्यार्थी फीस निर्धारित है। बिना लेट फीस के आवेदन की अवधि 16 सितंबर को ही खत्म हो चुकी है। वर्तमान में (27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक) जो स्कूल डिमांड भेज रहे हैं, उन्हें प्रति विद्यार्थी 150 रुपये का विलंब शुल्क (लेट फीस) अलग से चुकाना पड़ रहा है।

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

प्रश्नपत्रों की डिमांड का आखिरी मौका

शीतकालीन स्कूल छह अक्तूबर तक करें अप्लाई, ऑफलाइन आवेदन होंगे रद्द

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल छह अक्तूबर तक का समय बचा है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी जिम्मा सौंपा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों के साथ तालमेल बिठाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले, जिससे परीक्षा व्यवस्था

सुचारू रूप से चल सके। स्कूलों को अब प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए भारी भरकम लेट फीस चुकानी पड़ रही है।

डीएलएड सत्र कल से

शिमला। हिमाचल प्रदेश में डीएलएड सत्र 2026-28 की कक्षाएं पांच अक्तूबर से शुरू होंगी। राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश की ओर से प्रदेश के सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों डीआईईटी (डाइट) के प्रधानाचार्यों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं।

Amar Ujwala
Dt.04-10-2026

प्रश्नपत्रों की 6 अक्तूबर के बाद मांग नहीं कर सकेंगे शीतकालीन स्कूल

ऑफलाइन आवेदनों को भी स्कूल शिक्षा बोर्ड करेगा रद्द

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड 6 अक्तूबर के बाद शीतकालीन स्कूलों की ओर से प्रश्नपत्रों की आने वाली मांग को स्वीकार नहीं करेगा। अगर इस दौरान ऑफलाइन आवेदन शिक्षा बोर्ड के पास पहुंचते हैं तो उन्हें भी रद्द कर दिया जाएगा।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश के शीतकालीन स्कूलों के पास तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए 6 अक्तूबर तक अंतिम मौका है। इसके बाद न समय बढ़ाया जाएगा और न ही किसी ऑफलाइन आवेदन पर विचार होगा। उन्होंने कहा कि नवंबर-दिसंबर 2026 में प्रस्तावित परीक्षाओं के लिए बोर्ड ने स्कूलों को समय रहते प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों से कहा है कि अंतिम तारीख का इंतजार न करें और निर्धारित समय के भीतर ऑनलाइन डिमांड दर्ज करवाएं। संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी अपने अधीन आने वाले स्कूलों से समन्वय कर प्रक्रिया पूरी करवाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रश्नपत्रों की डिमांड के लिए सामान्य आवेदन की अवधि 16 सितंबर को समाप्त हो चुकी है।

अब 27 सितंबर से 6 अक्तूबर तक स्कूलों को लेट फीस के साथ आवेदन करना होगा। तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए सामान्य शुल्क 100 रुपये प्रति विद्यार्थी, जबकि आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपये प्रति विद्यार्थी है। इसके अतिरिक्त 150 रुपये प्रति विद्यार्थी विलंब शुल्क निर्धारित किया गया है।

तीसरी-पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षाओं के लिए प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मांगी है डिमांड

डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नजर
आज की ताजा खबर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ
03 अक्तूबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

अलर्ट : शीतकालीन स्कूलों में प्रश्नपत्रों की डिमांड का आखिरी मौका 6 अक्टूबर

ऑफलाइन आवेदन सीधे होंगे रद्द, स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा की दो टूक

तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के लिए www.hpbose.org पर करें आवेदन

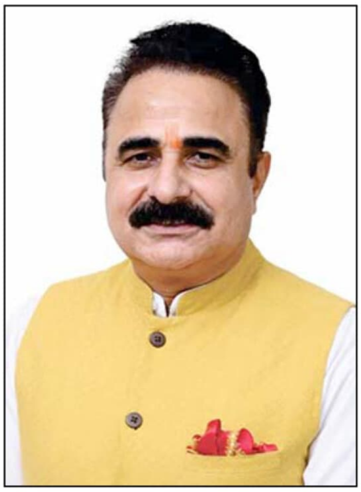

पहली नजर ब्यूरो/धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर (2026) में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल 6 अक्टूबर तक का समय बचा है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी जिम्मा सौंपा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों के साथ तालमेल बिठाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले ताकि परीक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

अब 150 रुपये लेट फीस के साथ हो रही है प्रक्रिया

स्कूलों को अब प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए भारी भरकम लेट फीस चुकानी पड़ रही है। बोर्ड द्वारा तय किए गए सामान्य शुल्क के अनुसार, तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए 100 रुपये और आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपये प्रति विद्यार्थी फीस निर्धारित है। बिना लेट फीस के आवेदन की अवधि 16 सितंबर को ही खत्म हो चुकी है। वर्तमान में (27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक) जो स्कूल डिमांड भेज रहे हैं, उन्हें प्रति विद्यार्थी 150 रुपये का विलंब शुल्क (लेट फीस) अलग से चुकाना पड़ रहा है।

इस लिंक से पूरी होगी प्रक्रिया

बोर्ड प्रबंधन ने बताया कि प्रश्नपत्रों की ऑनलाइन मांग भेजने के लिए स्कूलों को शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर जाना होगा। वेबसाइट पर दिए गए 'Online Services' विकल्प के भीतर 'Online Question Paper Demand for xrd, zth and }th Class' लिंक पर क्लिक करके स्कूल अपनी मांग दर्ज कर सकते हैं। बोर्ड ने दोहराया है कि 6 अक्टूबर के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Anant Gyan Dt. 04-10-2026

शीतकालीन स्कूलों की परीक्षाओं को लेकर बोर्ड सख्त

ऑनलाइन ही होगी प्रश्नपत्रों की डिमांड, ऑफलाइन पर रोक : डॉ. राजेश शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर (2026) में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल 6 अक्तूबर तक का समय बचा है।

बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने

◆6 अक्टूबर तक भेजें प्रश्नपत्रों की ऑनलाइन डिमांड

सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी जिम्मा सौंपा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों के साथ तालमेल बिठाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले ताकि परीक्षा व्यवस्था सुचारु रूप से चल सके।

अब 150 रुपए लेट फीस के साथ हो रही है प्रक्रिया

स्कूलों को अब प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए भारी भरकम लेट फीस चुकानी पड़ रही है। बोर्ड द्वारा तय किए गए सामान्य शुल्क के अनुसार, तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए 100 रुपए और आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपए प्रति विद्यार्थी फीस निर्धारित है। बिना लेट फीस के आवेदन की अवधि 16 सितंबर को ही खत्म हो चुकी है। वर्तमान में (27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक) जो स्कूल डिमांड भेज रहे हैं, उन्हें प्रति विद्यार्थी 150 रुपए का विलंब शुल्क (लेट फीस) अलग से चुकाना पड़ रहा है। बोर्ड प्रबंधन ने बताया कि प्रश्नपत्रों की ऑनलाइन मांग भेजने के लिए स्कूलों को शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर जाना होगा।

Dainik Jagran Dt. 04-10-2026

शीतकालीन स्कूलों में प्रश्नपत्रों की मांग के लिए छह तक भेजें मांग

- आनलाइन पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की मांग दर्ज करें प्रधानाचार्य व मुख्याध्यापक : डा. राजेश
- तीसरी, पांचवीं व आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के लिए भेजनी होगी प्रश्नपत्रों की मांग

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर 2026 में होने वाली परीक्षाओं को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्ती बरती है। तीसरी, पांचवीं व आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की मांग भेजने के लिए छह अक्टूबर अंतिम तिथि है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आनलाइन आवेदन कर मांग भेजनी होगी।

बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने प्रधानाचार्यों व मुख्याध्यापकों से आनलाइन पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की मांग दर्ज करने का आग्रह किया है। संबंधित खंड व उपनिदेशक कार्यालयों को भी स्कूलों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया समय पर पूरी करवाने के निर्देश दिए हैं। तीसरी व पांचवीं कक्षा के लिए सामान्य शुल्क 100, जबकि आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपये प्रति विद्यार्थी निर्धारित है। बिना विलंब शुल्क आवेदन की अवधि 16 सितंबर को समाप्त हो चुकी है। अब छह अक्टूबर तक आवेदन करने वाले स्कूलों को निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त 150 रुपये प्रति विद्यार्थी विलंब शुल्क देना होगा। स्कूलों को बोर्ड की वेबसाइट पर आनलाइन सेवाएं विकल्प में तीसरी, पांचवीं व आठवीं कक्षा के आनलाइन प्रश्नपत्र मांग लिंक पर आवेदन करना होगा। छह अक्टूबर के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Aapka Faisal
Dt.04-10-2026

शीतकालीन स्कूलों में प्रश्नपत्रों की डिमांड का आखिरी मौका छह अक्तूबर

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर (2026) में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल 6 अक्टूबर तक का समय बचा है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। अंतिम तिथि का न करें इंतजार, अधिकारियों को समन्वय के निर्देश हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें। इसके साथ ही संबंधित ब्लॉक और उपनिदेशक कार्यालयों को भी जिम्मा सौंपा गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी स्कूलों के साथ तालमेल बिठाएं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि हर स्कूल निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस अनिवार्य ऑनलाइन प्रक्रिया को पूरा कर ले ताकि परीक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके। अब 150 रुपये लेट फीस के साथ हो रही है प्रक्रिया, स्कूलों को अब प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए भारी भरकम लेट फीस चुकानी पड़ रही है। बोर्ड द्वारा तय किए गए सामान्य शुल्क के अनुसार, तीसरी और पांचवीं कक्षा के लिए 100 रुपये और आठवीं कक्षा के लिए 150 रुपये प्रति विद्यार्थी फीस निर्धारित है। बिना लेट फीस के आवेदन की अवधि 16 सितंबर को ही खत्म हो चुकी है। वर्तमान में (27 सितंबर से 6 अक्टूबर तक) जो स्कूल डिमांड भेज रहे हैं, उन्हें प्रति विद्यार्थी 150 रुपये का विलंब शुल्क (लेट फीस) अलग से चुकाना पड़ रहा है। इस लिंक से पूरी होगी प्रक्रिया, बोर्ड प्रबंधन ने बताया कि प्रश्नपत्रों की ऑनलाइन मांग भेजने के लिए स्कूलों को शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर जाना होगा। वेबसाइट पर दिए गए Online Services विकल्प के भीतर Online Question Paper Demand for 3rd, 5th and 8th Class लिंक पर क्लिक करके स्कूल अपनी मांग दर्ज कर सकते हैं। बोर्ड ने दोहराया है कि 6 अक्टूबर के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Himachal Dastak
Dt.04-10-2026

शीतकालीन स्कूलों में प्रश्नपत्रों की डिमांड का आखिरी मौका 6

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के शीतकालीन अवकाश वाले स्कूलों में नवंबर-दिसंबर में होने वाली परीक्षाओं को लेकर स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है। तीसरी, पांचवी और आठवी कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की डिमांड भेजने के लिए अब केवल 6 अक्तूबर तक का समय बचा है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन होगी और किसी भी स्कूल से ऑफलाइन माध्यम से आई प्रश्नपत्रों की मांग किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सभी संबंधित स्कूलों के प्रधानाचार्यों और मुख्य अध्यापकों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना पोर्टल पर प्रश्नपत्रों की डिमांड दर्ज करें।

OCTOBER 04, SUNDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HPBOSE CLOSES EXAM PAPER DEMAND PORTAL OCTOBER 6; OFFLINE REQUESTS BARRED

The Sunny Times | Dharmshala |

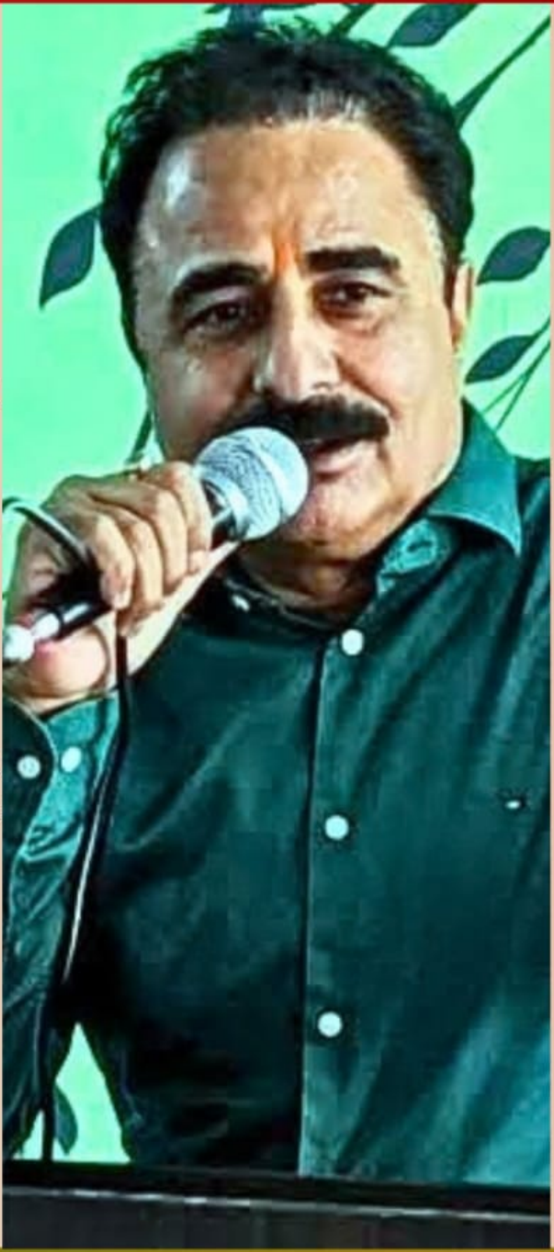

The clock is ticking for winter-closing schools across Himachal Pradesh as the state education board draws a hard line on examination protocol. Schools planning to conduct annual exams for Classes 3, 5, and 8 during the upcoming winter session have until October 6 to place their official question paper orders, after which the portal will permanently lock down.

Board Chairman Dr. Rajesh Sharma delivered an uncompromising ultimatum, making it clear that paper-based submissions are entirely dead on arrival. Every single request must route exclusively through the official portal at www.hpbose.org. Principals and headmasters who attempt to bypass the digital pipeline with physical paperwork will see their submissions rejected on the spot, leaving no room for administrative excuses or manual workarounds.

Procrastination is already costing institutions real money. With the regular, fee-free registration window closing back on September 16, delinquent schools are now forced to cough up a steep late penalty of ₹150 per candidate on top of the standard base charges of ₹100 for Classes 3 and 5, and ₹150 for Class 8.

Regional education officers and block directors have been directed to crack the whip locally, ensuring every lagging school clears its backlog before Sunday's cutoff. For school administrators hoping to rescue their students' winter exam schedules, the directive is plain: log in immediately, pay the penalty, or prepare to explain a self-inflicted testing disaster to parents.